वारदात

बम्हनी के अंधे हत्याकांड का खुलासा, पुलिस ने सुलझाई गुमशुदगी से मर्डर तक की गुत्थी

बारात के दौरान रची थी तरेंद्र की हत्या की साजिश

बम्हनी/मंडला, नवभारत। मंडला जिला पुलिस को एक अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना बम्हनी क्षेत्र के अंतर्गत हुए चर्चित तरेंद्र यादव हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए बम्हपी पुलिस ने घटना में शामिल सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझने के साथ ही क्षेत्र में फैली सनसनी पर विराम लग गया है।

जानकारी अनुसार मामले की शुरुआत विगत 22 जून को हुई, जब प्रार्थी रविन्द्र यादव 40 वर्ष निवासी मुगदरा ने थाना बम्हनी में अपने छोटे भाई तरेंद्र यादव 36 वर्ष के अचानक लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू ही की थी कि उसी दिन 22 जून को बोरिया नाला, लिमरुआ के पास से तरेंद्र यादव का शव बरामद हुआ। शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया। बम्हनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों के पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मर्ग जांच और प्रारंभिक साक्ष्यों से यह साफ हो गया कि यह सामान्य मौत नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी। अज्ञात हमलावरों ने तरेंद्र की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या की थी और साक्ष्य छिपाने के इरादे से लाश को नाले में फेंक दिया था। इसके बाद बम्हनी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

आईजी ने की थी 25 हजार इनाम की घोषणा

मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन ललित शाक्यवार द्वारा आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रूपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई थी। इसके बाद पुलिस टीम ने जमीन स्तर पर मुखबिरों को सक्रिय करने के साथ तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल कॉल डिटेल्स और लोकेशन के आधार पर साइबर सेल की मदद से जांच का दायरा बढ़ाया। संदेहियों की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस आखिरकार मुख्य आरोपियों तक पहुंच गई।

पुरानी रंजिश बना हत्या का कारण

पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई कि मृतक तरेंद्र यादव और उसके घर के सामने रहने वाले जीवनलाल यादव के परिवारों के बीच खेती-बाड़ी और आपसी प्रतिस्पर्धा को लेकर लंबे समय से रंजिश चली आ रही थी। कुछ समय पहले जीवनलाल यादव की मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद उसके परिवार के सदस्य तरेंद्र यादव के प्रति मन में गहरी शंका और वैमनस्य पाले हुए थे। इसी रंजिश का बदला लेने राजा यादव ने अपने साथी अविनाश यादव के साथ मिलकर तरेंद्र को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रच डाली।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

विवेचना के अनुसार आरोपियों को पता था कि 21 जून को मृतक तरेंद्र यादव के घर पर एक शादी समारोह और बारात का कार्यक्रम है। योजना के मुताबिक आरोपी अविनाश यादव ने तरेंद्र से अपनी पुरानी पहचान का फायदा उठाया और बारात के माहौल से अलग उसे शराब पीने के बहाने स्कूल के पीछे ले गया। वहाँ पहले से घात लगाए बैठे अन्य आरोपी राहुल उर्फ नीरज परते, सूर्यकांत उर्फ सूर्या और कृष्ण कुमार उर्फ राजा ने तरेंद्र को दबोच लिया और गला घोंटकर उसकी जान ले ली। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव को पास के बोरिया नाले में फेंक कर फरार हो गए।

सलाखों के पीछे पहुंचे आरोपी

बताया गया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल सभी पांचों आरोपियों को 25 जून को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में राजा यादव पिता जीवन यादव निवासी ग्राम मुगदरा मुख्य साजिशकर्ता, अविनाश यादव पिता राममिलन यादव निवासी ग्राम देवगांव, राहुल उर्फ नीरज परते पिता नानक सिंह परते निवासी ग्राम खमरौती, बिछिया, सूर्यकांत उर्फ सूर्या निवासी ग्राम खमरौती, बिछिया, कृष्ण कुमार उर्फ राजा निवासी ग्राम खमरौती, बिछिया शामिल थे।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस अंधे हत्याकांड का महज कुछ ही दिनों के भीतर पर्दाफाश करने में एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के नेतृत्व में थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र रघुवंशी, उपनिरीक्षक अतुल वासनिक पर्यटन चौकी खटिया, उनि जयंत पिछोडें थाना बम्हनी, उनि विक्रम बघेल थाना नैनपुर, उनि राजेन्द्र सिलेवार चौकी पाण्डीवारा, सहायक उपनिरीक्षक शिशांक श्रीवास्तव की मुख्य भूमिका रही। इसके साथ ही प्रधान आरक्षक अर्जुन रजक, इन्दर सिंह राजपूत, आरक्षक उमेश प्रसाद मार्को, नवीन कठौते, सुरेश भटेरे और सुर्यचंद बघेल ने भी सराहनीय कार्य किया। पुलिस टीम की इस तत्परता और सफलता की उच्च अधिकारियों सहित आम जनता ने भी सराहना की है।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ निकाली सरकार की शव यात्रा

- निवास तिराहे पर कांग्रेसी नेताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प, मची अफरा-तफरी

निवास। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में बढ़ती महंगाई और विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर निवास मुख्यालय में एक विशाल और उग्र प्रदर्शन किया गया। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दामों में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर में सरकार की महंगाई शव यात्रा निकाली और जमकर नारेबाजी की। यह जुलूस नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह तिराहे पर पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने सरकार की अर्थी फूंक दी।

इस दौरान अर्थी को बुझाने और प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए निवास पुलिस ने नगर परिषद के दमकल वाहन से पानी की बौछार का उपयोग किया। पुलिस की इस कार्रवाई से मौके पर अचानक अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। सम्मेलन में जिला कांग्रेस कमेटी प्रभारी जगदीश सैनी, जिला अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले, विधानसभा प्रभारी राजेश तिवारी, निवास विधायक चैन सिंह वरकड़े और ब्लॉक अध्यक्ष संजय जायसवाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए।

1300 किलो महुआ लाहन और 55 लीटर कच्ची शराब जब्त

- कलेक्टर के निर्देशन में अंजनिया क्षेत्र में आबकारी टीम की दबिश

अंजनिया/मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में जिला आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के निर्माण और विक्रय के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत अंजनिया क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी तथा प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में मंडला वृत्त की टीम ने मांद तालाब के किनारे चल रहे अवैध शराब निर्माण के ठिकानों पर अचानक दबिश दी।

आबकारी विभाग की इस कार्रवाई के दौरान तालाब किनारे संचालित पांच अवैध अड्डों से लगभग 55 लीटर हाथ भट्टी से बनी कच्ची मदिरा बरामद की गई। इसके साथ ही शराब बनाने के लिए 130 प्लास्टिक डिब्बों में भरकर रखा गया लगभग 1300 किलोग्राम महुआ लाहन भी जब्त किया गया, जिसे आबकारी अमले ने तकनीकी मापदंडों के तहत मौके पर ही नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान विभागीय अमले को आते देख आरोपी घने जंगलों का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज - विभाग द्वारा फरार अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आबकारी टीम द्वारा जब्त की गई कच्ची मदिरा और नष्ट किए गए महुआ लाहन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 38 हजार रुपये आंकी गई है। इस महत्वपूर्ण और सफल कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, प्रधान आरक्षक दुर्जन कुलेश, आरक्षक विजय कमलेश, सत्यपाल मरावी, नेतराम ककोटिया, रघुनाथ उइके, महेश पटेल एवं श्रीमती शकुंतला सैयाम सहित पूरे आबकारी अमले की सराहनीय भूमिका रही।

टी-शर्ट पाकर खिले युवा खिलाड़ियों के चेहरे

नारायणगंज। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवा भारती आश्रम द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। विकास खंड नारायणगंज में खेल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विभिन्न प्रतिभावान बालक-बालिका खिलाड़ियों को खेल सामग्री का वितरण किया गया। टिकरिया सांदीपनि विद्यालय नारायणगंज में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सेवा भारती आश्रम की ओर से खिलाड़ियों को 50 खेल किट (टी-शर्ट) प्रदान की गईं।

बताया गया कि यह खेल किट सेवा भारती के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, सचिव ताराचंद एवं सदस्य व सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक एसएस उद्दे द्वारा खिलाड़ियों को सौंपी गईं। अपनी नई खेल पोशाक पाकर युवा खिलाड़ियों के चेहरों पर भारी उत्साह देखने को मिला। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय उपस्थित रहे। उनके साथ ही सांदीपनि विद्यालय की प्राचार्य अर्चना नेमा, संगीता गुप्ता, ब्लॉक खेल समन्वयक करुणा मर्सकोले और छात्रावास अधीक्षिका प्रमिला बैरागी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सुजीता यादव, नंदनी उइके, कमल मरावी, टिकरिया थाने से नियासा परते, प्रशांत बघेल सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बिंझिया में आज लगेगा रक्तदान शिविर, तैयारियाँ पूरी

मंडला। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में आज 26 जून शुक्रवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह पुनीत कार्यक्रम स्थानीय संत निरंकारी भवन, बिंझिया में सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। शिविर को लेकर संस्था और रक्तदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

जागरूकता के लिए निकाली भव्य वाहन रैली : शिविर के आयोजन से एक दिन पूर्व शाम को संस्था के सदस्यों द्वारा शहर में एक भव्य वाहन रैली निकाली गई। यह रैली स्थानीय भगत सिंह वार्ड से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों और चौराहों से गुजरी।

रैली में बड़ी संख्या में संस्था के सेवादारों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। वाहन रैली के दौरान युवाओं और सदस्यों में विशेष उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। रैली में शामिल सदस्य हाथों में जागरूकता संदेशों की पट्टियां लिए हुए थे। इस दौरान इंसान का रक्त इंसान की नाड़ियों में बहे, ना कि नालियों में और रक्तदान करके देखो, अच्छा लगता है जैसे प्रेरक स्लोगनों के माध्यम से लोगों से मानवता की सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया गया।

नवागत टीआई ने बताया महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

मवई। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे देशव्यापी सेफ क्लिक साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत बुधवार को मवई पुलिस थाने में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न समाचार पत्रों, डिजिटल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों ने प्रमुखता से सहभागिता की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मवई की नवागत थाना प्रभारी श्रीमती आरती तेकाम ने वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए और तकनीकी तरीकों से भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक को डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

थाना प्रभारी ने ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, केवाईसी अपडेट और हाल ही में बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट के मामलों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड नंबर या यूपीआई पिन जैसी गोपनीय जानकारी कभी साझा न करें।

साइबर सुरक्षा के साथ नवागत थाना प्रभारी ने मवई क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला एवं बालिका सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए मवई पुलिस अत्यंत संवेदनशील और सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

हेल्पलाइन 1930 का करें उपयोग

थाना प्रभारी आरती तेकाम ने मीडिया जगत से आह्वान किया कि वे साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता को सुदूर वनांचल के गांवों और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर बिना डरे तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या नजदीकी पुलिस थाने में संपर्क करें।

क्रूरता से ट्रक में ठूंस-ठूंस कर भरे थे 45 मवेशी, 2 गिरफ्तार

- घेराबंदी कर मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ा, दो बाइक भी जब्त

नैनपुर। मंडला जिला पुलिस ने पशु तस्करी और क्रूरता के खिलाफ एक बार फिर प्रभावी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में नैनपुर थाना पुलिस ने अमानवीय तरीके से ले जाए जा रहे 45 मवेशियों को मुक्त कराने में सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जानकारी अनुसार थाना नैनपुर पुलिस को क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि ग्राम हमनगांव और मलधा के बीच जंगल क्षेत्र में एक संदिग्ध ट्रक खड़ा है, जिसमें भारी संख्या में मवेशी भरे हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक मंशाराम वगेन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। वहां ट्रक क्रमांक एमपी 20 जेडके 3507 खड़ा मिला, जिसकी तलाशी लेने पर पुलिस के होश उड़ गए। ट्रक के भीतर 45 नग भैंस एवं बछड़े, बोड़े अत्यंत क्रूरतापूर्वक रस्सियों से ठूंस-ठूंस कर बांधे गए थे। पुलिस ने मौके पर मौजूद दो संदिग्धों को हिरासत में लिया, जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम इरफान कुरैशी और मो. इरशाद कुरैशी बताए।

मौके पर तस्करी में इस्तेमाल होने वाली दो मोटरसाइकिलें क्रमांक एमपी 51 जेई 9418 एवं डिलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 17 एचसी 3012 भी बरामद हुईं। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में सभी 45 मवेशियों, ट्रक और दोनों बाइकों को विधिवत जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा इन मवेशियों को बिना चारा-पानी दिए, तंग हालत में अमानवीय तरीके से परिवहन किया जा रहा था। मुक्त कराए गए सभी बेजुबान मवेशियों को सुरक्षित रूप से नैनपुर कांजी हाउस भेज दिया गया है, वहीं जब्त वाहनों को थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। इस त्वरित और सफल कार्रवाई में नैनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मंशाराम वगेन, उप निरीक्षक केके विश्वकर्मा, सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) जगदीश सैयाम, सउनि रविन्द्र नेताम, प्रधान आरक्षक कुलदीप यादव और आरक्षक शैलेंद्र का विशेष योगदान रहा।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक

क्विज प्रतियोगिता में विजेताओं को किया पुरस्कृत

नारायणगंज/टिकरिया। पुलिस द्वारा संचालित साइबर जागरूकता अभियान द्वितीय संस्करण के अंतर्गत गुरुवार 25 जून को थाना टिकरिया क्षेत्र में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक संदीपनी विद्यालय टिकरिया एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नारायणगंज के छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा न करने तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए सतर्क रहने की सलाह दी। अंत में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई तथा इंटरनेट का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने का संकल्प कराया गया।

शिक्षकों की क्रमोन्नति और छात्रावास प्रवेश नियमों पर चर्चा

मंडला। नवागत संभागीय उपायुक्त नरोत्तम वरकड़े का एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष डीके सिंगौर के नेतृत्व में पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान एसोसिएशन ने श्री वरकड़े की पदस्थापना पर हर्ष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनके कार्यकाल में शिक्षा जगत में सकारात्मक बदलाव आएंगे और शिक्षकों की लंबित विभागीय समस्याओं का समय पर समाधान हो सकेगा।

बैठक में एसोसिएशन ने सबसे पहले छात्रहित से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए छात्रावासों में पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया लागू करने की मांग की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कहीं परीक्षा के अंकों तो कहीं पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिए जा रहे हैं, जो विसंगतिपूर्ण है। इस पर उपायुक्त श्री वरकड़े ने तत्काल संबंधित शाखा प्रभारी को बुलाकर प्रवेश नियमों को पुनः सर्कुलेट करने के कड़े निर्देश दिए। इसके अलावा चर्चा में बड़ी संख्या में लंबित परिवीक्षा अवधि और क्रमोन्नति के प्रकरणों का मुद्दा उठाया गया। एसोसिएशन ने बताया कि परीक्षा में बैठने की अनुमति से जुड़े करीब 23 प्रकरण अनुचित कारणों से रुके हुए हैं।

उपलब्धि

सड़क हादसे में घायल 21 वर्षीय युवक को डॉक्टरों ने दिया नया जीवन

जिला अस्पताल में पहली बार हुई कूल्हे के जोड़ एसीटाबुलम की सर्जरी

मंडला। जिला चिकित्सालय मंडला ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया है। अस्पताल के डॉक्टरों ने पहली बार एसीटाबुलम (कूल्हे के जोड़) की अत्यंत जटिल पोस्टेरियर वॉल फ्रैक्चर रिपेयर सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। यह एक ऐसी उन्नत सर्जरी है, जो आमतौर पर बड़े महानगरों के कॉर्पोरेट या सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में ही संभव हो पाती है।

जानकारी अनुसार बिछिया निवासी 21 वर्षीय करण बंजारा 16 जून 2026 को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल मंडला रेफर किया गया था। यहाँ गहन जांच में डॉक्टरों ने पाया कि करण के कूल्हे के जोड़ में एसीटाबुलम की पोस्टेरियर वॉल टूट चुकी थी और साथ ही हिप जॉइंट का पोस्टेरियर डिसलोकेशन (कूल्हा अपनी जगह से खिसकना) भी हुआ था। ऑर्थोपेडिक विज्ञान में इस प्रकार की चोट को बेहद संवेदनशील और जटिल माना जाता है।

चुनौतियों से भरा था ऑपरेशन

इस ऑपरेशन में अस्थिरोग और निश्चेतना दोनों ही लिहाज से भारी तकनीकी चुनौतियाँ थीं। टूटी हुई हड्डियों के बारीक टुकड़ों को बिना किसी नस या रक्तवाहिनी को नुकसान पहुँचाए उनकी मूल स्थिति में स्थापित करना और कूल्हे के जोड़ को स्थिरता देना एक बड़ी चुनौती थी। इस असंभव कार्य को जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. हेमेन्द्र चौहान, डॉ. अनिल करपेटी एवं डॉ. अविनाश खरे की टीम ने बखूबी अंजाम दिया। लंबे चले इस ऑपरेशन के दौरान निश्चेतना प्रबंधन को डॉ. प्रवीण उइके एवं डॉ. सोनम चौरसिया ने बेहद सुरक्षित तरीके से संभाला। इसके साथ ही ऑपरेशन थिएटर स्टाफ की पूरी टीम ने भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं देकर इस बड़ी सफलता में योगदान दिया।